जमीनी स्तर पर मजबूत

लेखक- रवि मित्तल (आईएएस, छत्तीसगढ़)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (भारतीय राजव्यवस्था) & III (आपदा प्रबंधन) से संबंधित है।

द हिन्दू

08 अक्टूबर, 2021

आपदा के प्रति प्रतिरोधक क्षमता को सामुदायिक संस्कृति का एक अंतर्निहित हिस्सा बनाना अनिवार्य है।

2 अक्टूबर, 1959 को राजस्थान में नागौर द्वारा पहली बार अपनाई गई पंचायती राज का अभी तक व्यापक विस्तार हुआ है। अब पूरे भारत में लगभग 31 लाख निर्वाचित सदस्यों द्वारा प्रतिनिधित्व वाले 2,60,512 पंचायती राज संस्थान (पी. आरआई) हैं। स्थानीय स्वशासन की यह व्यवस्था, जहाँ गाँव के लोग निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग लेते हैं, लोकतंत्र की रीढ़ है। इस वर्ष शुरू किए गए पीपुल्स प्लान कैंपेन और वाइब्रेंट ग्राम सभा डैशबोर्ड, ग्राम सभाओं को और अधिक जीवंत बनाकर पंचायती राज प्रणाली को मजबूत करने की आकांक्षा रखते हैं।

बॉटम-अप दृष्टिकोण

भूकंप जैसी अन्य आपदाओं के विपरीत, कोविड-19 एक असामान्य संकट है क्योंकि यह लंबे समय तक बना हुआ है और हर जगह लोगों को प्रभावित कर रहा है। जब महामारी के बुरे महीनों के दौरान पारंपरिक टॉप-डाउन आपदा प्रतिक्रिया प्रणाली से समझौता किया गया था, तो यह पंचायती राज व्यवस्था थी जिन्होंने उल्लेखनीय भूमिका निभाई थी।

उन्होंने जोखिमों को कम करने में मदद की, तेजी से प्रतिक्रिया दी और इस तरह लोगों को जल्दी ठीक होने में मदद की। पंचायती राज संस्थाओं ने स्थानीय स्तर पर आवश्यक नेतृत्व प्रदान किया। उन्होंने नियामक और कल्याणकारी दोनों कार्य किए। उदाहरण के लिए, देशव्यापी तालाबंदी के दौरान, पंचायती राज संस्थाओं ने नियंत्रण क्षेत्र स्थापित किए, परिवहन की व्यवस्था की, लोगों को क्वारंटाइन करने के लिए इमारतों की पहचान की और आने वाले प्रवासियों के लिए भोजन की व्यवस्था की। इसके अलावा, मनरेगा और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जैसी कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन ने कमजोर आबादी को समर्थन सुनिश्चित करते हुए अर्थव्यवस्था की गति तेज कर दी है।

ग्राम सभा विविध विचारों के लिए एक ध्वनि बोर्ड के रूप में कार्य करती है। वे आम सहमति बनाने और समुदाय के हित में संकल्प लेने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।

महामारी के दौरान, ग्राम सभाओं ने कोविड-19 मानदंडों का पालन करने का संकल्प लिया। इसके अलावा, समितियों के माध्यम से आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं जैसे फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के साथ नियमित जुड़ाव ने समुदाय और अधिकारियों के बीच विश्वास की खाई को पाट दिया।

विविध समुदायों का प्रतिनिधित्व करके, पंचायती राज संस्थाएँ उन्हें प्रभावी ढंग से संगठित करती हैं। कोविड-19 संकट के दौरान, उन्होंने क्वारंटाइन केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखने और घरों में लक्षणों की निगरानी करने के लिए गांव के बुजुर्गों, युवाओं और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को शामिल करते हुए समुदाय-आधारित निगरानी प्रणाली का आयोजन किया। हाल ही में, नागरिकों को कोविड-19 टीकाकरण के लिए जुटाने में उनकी भूमिका अनुकरणीय है।

क्षमता निर्माण

मई, 1994 में प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दशक के दौरान योकोहामा रणनीति ने इस बात पर जोर दिया कि सुभेद्यता को कम करने के लिए अकेले आपदा प्रतिक्रिया के बजाय आपदा रोकथाम, शमन और तैयारियों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। इस संबंध में, पंचायती राज संस्थाओं की क्षमता निर्माण के लिए कुछ पहल की जा सकती है-

प्रथम, पंचायत राज अधिनियमों में आपदा प्रबंधन अध्यायों को शामिल करना और आपदा नियोजन और व्यय को पंचायती राज विकास योजनाओं और स्थानीय स्तर की समितियों का हिस्सा बनाना महत्वपूर्ण है। यह नागरिक केंद्रित मानचित्रण और संसाधनों की योजना सुनिश्चित करेगा। स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न बीमा उत्पाद समुदाय के वित्तीय लचीलेपन का निर्माण करेंगे।

दूसरा, समुदाय के लिए नियमित स्थान-विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए मंच आयोजित करना व्यक्तिगत और संस्थागत क्षमताओं को मजबूत करेगा। व्यक्तिगत सदस्यों को भूमिकाएँ सौंपना और उन्हें आवश्यक कौशल प्रदान करना ऐसे कार्यक्रमों को अधिक सार्थक बना सकता है।

तीसरा, चूंकि आपदा के मामले में समुदाय आमतौर पर सबसे पहले प्रतिक्रिया करता है, समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन योजनाएं मदद करेंगी। ये आपदा के दौरान संसाधन उपयोग और रखरखाव के लिए एक रणनीति प्रदान करेंगे। ऐसी योजनाओं को स्थानीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान का दोहन करना चाहिए जो आधुनिक प्रथाओं का पूरक होगा।

इसके अलावा, सभी ग्राम पंचायतों में सामुदायिक आपदा कोष की स्थापना के माध्यम से समुदाय से वित्तीय योगदान को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। आपदा के प्रति प्रतिरोधक क्षमता को अब पहले से कहीं अधिक सामुदायिक संस्कृति का एक अंतर्निहित हिस्सा बनाना अनिवार्य है।

GS World
Committed To Excellence

जीएस वर्ल्ड टीम इनपुट

IN THE NEWS

पंचायती राज संस्थान (PRI) :-

- ये भारत में ग्रामीण स्थानीय स्वशासन की एक प्रणाली है।
- स्थानीय स्वशासन का अर्थ है स्थानीय लोगों द्वारा निर्वाचित निकायों द्वारा स्थानीय मामलों का प्रबंधन।
- जमीनी स्तर पर लोकतंत्र की स्थापना करने के लिये 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के माध्यम से पंचायती राज संस्थान को संवैधानिक स्थिति प्रदान की गई और उन्हें देश में ग्रामीण विकास का कार्य सौंपा गया।
- अपने वर्तमान स्वरूप और संरचना में पंचायती राज संस्थान ने 29 वर्ष पूरे कर लिये हैं। लेकिन विकेंद्रीकरण को आगे बढ़ाने और जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने के लिये अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है।
- भारत मे पंचायती राज संस्थाओं के विकास में निम्नलिखित समितियों की भूमिका रही है-
  - हनुमंत राव समिति (1983)
  - जी.वी.के. राव समिति (1985)
  - एल.एम. सिंघवी समिति (1986)
  - केन्द्र-राज्य संबंधों पर सरकारिया आयोग (1988)
  - पी.के. थुंगन समिति (1989)
  - हरलाल सिंह खर्रा समिति (1990)

Committed To Excellence

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. निम्नलिखित में से कौन सी समितियां भारत मे पंचायती राज संस्थाओं के विकास से जुड़ी हैं?

1. हनुमंत राव समिति
2. जी.वी.के. राव समिति
3. एल.एम. सिंघवी समिति

कूट:-

(a) केवल 1 और 2 **(b)** केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3 **(d)** उपर्युक्त सभी

Expected Questions (Prelims Exams)

Q. Which of the following committees are associated with the development of Panchayati Raj Institutions in India?

1. Hanumantha Rao Committee
2. G.V.K. Rao Committee
3. L.M. Singhvi Committee

Code:-

(a) 1 and 2 only **(b)** 2 and 3 only

(c) 1 and 3 only **(d)** All of the above

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. "भारत मे पंचायती राज संस्थाओं की क्षमता का पूर्ण उपयोग अभी तक नही हो सका है।" आपदा प्रबंधन के विशेष संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए। (250 शब्द)

Q. "The potential of Panchayati Raj Institutions in India has not been fully utilized yet." Examine this statement with special reference to disaster management. (250 Words)

World
Committed To Excellence

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।